>

Title: Regarding alleged levying of toll tax at unauthorized toll plaza on National Highway No. 7.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): उपाध्यक्ष जी, एक नेशनल हाइवे जो नागपुर से चन्द्रपुर की ओर जाता है, उस पर कुछ काम हो रहा था और कुछ काम हुआ है। वहां पर अवैध रूप से एक टोल प्लाजा बनाया गया है और एक निजी कंपनी वहां पर टोल वसूल कर रही है। इस अवैध टोल वसूली की वजह से चन्द्रपुर से नागपुर की ओर उस हाइवे पर चलने वाले सभी वाहनों, गाड़ियों और प्रवासियों को टोल पर बेमतलब रुपया देना पड़ता है। जो काम इस कंपनी ने किया नहीं, यह कार्य एनडीए सरकार के कार्यकाल में किया गया था, वह कार्य गोल्डन नेशनल कॉरीडोर स्कीम के अंतर्गत किया गया था। उस कार्य को एनडीए सरकार ने पूरा किया। अब यहां ओरिएण्ट नाम की एक कंपनी ने उस रोड के बगल में हाइवे के लिए एक एप्रोच रोड एवं एक ब्रिज बनाया है, जिसमें उन्होंने 210 करोड़ रुपये का काम किया है। जिस रोड का उन्होंने निर्माण किया है, उस पर टोल प्लाजा लगाना चाहिए था, लेकिन उन्होंने उस रोड को छोड़कर, जो कार्य एनडीए सरकार के समय में पूरा हुआ है, उस पर टोल प्लाजा लगाकर लोगों से टोल वसूल कर रहे हैं। करीब 70 सं 80 लाख रुपये रोज वहां टोल के रूप में वसूल होते हैं। चन्द्रपुर से नागपुर की ओर जो गाड़ियां आती हैं, वहां सीमेंट, कोयला, स्टील आदि की इंडस्ट्रीज हैं। ये सारी चीजें जब वहां से आती हैं, तो करीब 80 लाख रुपये वहां रोज टोल वसूली अवैध रूप से होती है। उस रोड का काम उन्होंने किया ही नहीं है। वह काम एनडीए सरकार के समय में किया गया था। कोर्ट के असत्य एफिडेविट देकर ऐसा किया जा रहा है। पहले वे अवैध काम कर रहे थे, तो हाईकोर्ट ने उस टोल प्लाजा को बंद कर दिया था। हाईकोर्ट द्वारा बंद किए जाने के बाद भी एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें वहां टोल प्लाजा लगाने की अनुमति दी। यह बहुत गंभीर मामला है। मैं आपके सामने बहुत बड़ा भ्रष्टाचार का मामला रख रहा हूं। इसमें मैं एक लाइन भी गलत कहने नहीं जा रहा हूं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या चाहते हैं?

श्री हंसराज गं. अहीर : महोदय, जो रोड उन्होंने बनाया नहीं है, उस पर वसूली जारी है। इसमें एनएचएआई के अधिकारी, डायरेक्टर, चेयरमैन, एमडी आदि जो भी लोग वहां हैं, उनकी मिलीभगत से यह किया गया है। यहां जितनी भी वसूली होती है, उसमें भ्रष्टाचार हो रहा है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि नागपुर और चन्द्रपुर, इन दो शहरों के बीच के इस रास्ते पर लूट हो रही है। इस लूट को रोकने के लिए आप सरकार से कहें। जब तक यह लूट रुकेगी नहीं, तब तक हम यह समझेंगे कि ...* उसमें मिले हुए हैं।...(व्यवधान) मैं मंत्री से मिला हूं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बात को लम्बा कर रहे हैं। किससे-किससे मिले, यह बताएंगे, तो पूरे दिन बात चलेगी, जीरो आवर का मतलब यह नहीं है। जीरो आवर का मतलब यह नहीं है कि एक घण्टे बोलिए।

श्री हंसराज गं. अहीर : महोदय, मैं सीपी जोशी साहब से मिला, उनको पूरी डिटेल्स दी हैं। उन्होंने अभी तक मुझे जवाब तक नहीं दिया है। मंत्री यहां नहीं हैं। मुझे जवाब नहीं दिया है। दो माह से मैं लिख रहा हूं। चार माह से वसूली हो रही है, वहां पर करीब 20 करोड़ रुपये हर महीने वसूलते हैं, अभी तक उन्होंने करीब 100 करोड़ रुपये वसूल किए हुए हैं और यह तीस साल तक चलने वाला है। 30 साल में करीब आठ से दस हजार करोड़ रुपये की यहां पर उगाही होने वाली है, भ्रष्टाचार होने वाला है। यह मैं आपको पेपर में दे रहा हूं। मैं लोक सभा में बोल रहा हूं। जिम्मेदारी से बोल रहा हूं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या चाहते हैं?

श्री हंसराज गं. अहीर : इसे रोका जाए। यह टोल प्लाजा बंद किया जाए। यही मैं मांग करता हूं।